प्रश्नोतर से संबंधित परिशिष्ट

परिशिष्ट 'बारह' [21/7/2017]

प्रश्न सं. [क. 1316]

माननीय विधायक श्री रामनिवास रावत

विधानसभा अतारांकित प्रश्न क्रमांक 1316 के प्रश्नांश "ख" के उत्तर का परिशिष्ट-1

प्रदेश में मातृ मृत्यु दर को कम करने हेतु सरकार द्वारा निम्नलिखित प्रयास किये जा रहे हैं:–

- प्रदेश में संस्थागत प्रसव के सुदृढ़ीकरण हेतु 1517 डिलेवरी पाईंट्स को चिन्हांकित कर 1341 डिलेवरी पाईंट्स क्रियाशील किये गये है।
- वर्ष 2016–17 तक कुल 47 ब्लड बैंक एवं 71 ब्लड स्टोरेज यूनिट क्रियाशील है।
- 472 डिलेवरी पाईंट में सुरक्षित गर्भपात सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की गई।
- स्वास्थ्य सेवा प्रदायकर्ताओं के कार्यकौशल में वृद्धि करने हेतु विभिन्न कौशल प्रशिक्षण को प्राथमिकता दी गई है।
- जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम अंतर्गत शासकीय संस्थाओं में प्रसव कराने पर गर्भवती महिलाओं को निःशुल्क औषधि, सामग्री, जांचें, भोजन एवं परिवहन सुविधाऐं प्रदान की जा रही है।
- प्रसव पूर्व जांच में गुणवत्ता सुनिश्चित की जा रही है एवं उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं का चिन्हांकन कर ट्रेकिंग की जा रही है।
- गर्भवती महिलाओं में एनीमिया की रोकथाम हेतु प्रत्येक गर्भवती महिला को आयरन की एक गोली प्रतिदिन के मान से 6 माह प्रसव पूर्व एवं 6 माह प्रसव उपरांत तथा एनीमिया वाली महिलाओं को 2 गोली प्रतिदिन के मान से 6 माह प्रसव पूर्व एवं 6 माह प्रसव उपरांत आयरन की गोलियां दी जाती है। गंभीर एनीमिया वाली महिलाओं को आयरन सुक्रोज/ब्लड ट्रांसफ्यूजन दिया जाता है।
- समस्त गर्भवती महिलाओं में एलबेन्डाज़ॉल एवं कैल्शियम की गोलीयों का वितरण किया जाता हैं।
- आर.सी.एच. पोर्टल एवं अनमोल के माध्यम से गर्भवती महिलाओं की ट्रेकिंग सुनिश्चित की जा रही है।
- प्रदेश में प्रसव के दौरान एवं प्रसव के तुरंत उपरांत प्रदान की जा रही सेवाओं की गुणवत्ता को सुदृढ करने हेतु डिलेवरी पाईंट पर पदस्थ नर्सिंग स्टॉफ में से चयनित स्टॉफ नर्स को नर्सिंग मेंटर्स के रूप में चिन्हित कर सर्पोटिव सुपरविजन किया जा रहा है।
- संस्था तथा समुदाय स्तर पर मातृ मृत्यु समीक्षा के माध्यम से मातृ मृत्यु प्रकरणों की रिपोर्टिंग सुदृढ की जा रही है। जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी तथा जिलाध्यक्ष द्वारा जिला स्वास्थ्य समितियों की बैठक में इन प्रकरणों की समीक्षा कर आवश्यक सुधारात्मक कार्यवाही की जा रही हैं।
- गंभीर एनीमिया तथा एक्लेम्पिशया के प्रकरणों की बैक ट्रैकिंग की जा रही है।
- 17 उच्च प्राथमिकता वाले जिलों में प्रति विकासखंड 2 ए.एन.एम. मेंटर्स के माध्यम से ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस पर प्रदान की जाने वाली सेवाओं की समीक्षा एवं सर्पोटिव सुपरविजन किया जा रहा है।
- प्रदेश की समस्त महिलाओं (गर्भवती, अन्य आयु वर्ग एवं शाला त्यागी किशोरी बालिकाऐं) को ग्राम स्तर पर स्वास्थ्य जांच एवं उपचार प्रदान करने हेतु वर्ष 2015 से प्रत्येक वर्ष महिला स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जा रहा है।
- प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान अंतर्गत प्रत्येक माह की 9 तारीख को शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं में द्वितीय एवं तृतीय त्रैमास की गर्भवती महिलाओं की एक जांच चिकित्सक द्वारा कराई जा रही है। अभियान अंतर्गत निजी क्षेत्र के चिकित्सकों की सेवाऐं भी ली जा रही है।

(डॉ. अर्चना मिश्रा)
उप संचालक, एन.एच.एम
मध्यप्रदेश

5

माननीय विधायक श्री रामनिवास रावत

विधानसभा अतारांकित प्रश्न क्रमांक 1316 के प्रश्नांश "ख" के उत्तर का परिशिष्ट-2

शिशु मत्यु दर को कम करने के लिये राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के माध्यम से सरकार द्वारा निम्नानुसार प्रयास किये जा रहे हैं :-

- समस्त जिला चिकित्सालय एवं चिकित्सा महाविद्यालय में नवजात शिशु गहन चिकित्सा इकाईयों की क्रियाशीलता। वर्तमान में 54 इकाईयाँ संचालित है जिनके माध्यम से कुल 528713 शिशुओं को उपचारित किया गया है।
- एफ.आर.यू. में नवजात शिशु स्थिरीकरण इकाईयों की क्रियाशीलता, वर्तमान में 60 इकाईयाँ संचालित हैं, जिनके माध्यम से कुल 82713 शिशुओं को लाभान्वित किया गया।
- चिन्हित प्रसव केन्द्रों पर न्यूबॉर्न केयर कॉर्नर की क्रियाशीलता
- परिवार केन्द्रित देखभाल अंतर्गत शिशु के स्थिरीकरण के पश्चात् माता/परिजनों को नवजात शिशु गहन चिकित्सा इकाई में प्रवेश प्रक्रिया का पालन करते हुए नवजात शिशु की देखभाल में दक्ष किया जाता है। माँ/परिजनों को शिशु को उठाना, दूध पिलाना, कंगारू पद्धति से देखभाल करना, शिशु की सफाई करना इत्यादि सिखाया जाता है। परामर्श पश्चात मातायें बीमार शिशु की देखभाल में स्वयं को सक्षम महसूस करती हैं तथा घर पर नवजात शिशु की बेहतर देखभाल करती हैं।
- पिडियाट्रिक इमरजेन्सी ट्रायऐज एवं ट्रीटमेंट यूनिटः- गंभीर रूप से बीमार बच्चों के जिला चिकित्सालय पहुँचने पर Point of Use पर आवश्यक उपकरण, दवाईयाँ, सामग्री एवं प्रशिक्षित चिकित्सक/स्टाफ नर्सेस तत्काल उपचार प्रदान करने हेतु उपलब्ध होते हैं।
- बाल्य गहन चिकित्सा इकाई :- भोपाल, छिन्दवाड़ा, रतलाम, गुना, मुरैना एवं दतिया में बाल्य गहन चिकित्सा इकाईयां क्रियाशील हैं।
- सघन दस्त रोग नियंत्रण पखवाड़ा दिनांक 11 जुलाई से 06 अगस्त, 2016 तक आयोजित किया गया। इसके अंतर्गत 5 वर्ष तक के कुल 9840749 बच्चों में से 9125879 (92.73%) बच्चों को ओ.आर.एस. पॅकेट प्रदायित किये गये।
- जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत एक वर्ष तक की आयु के शिशओुं हेतु निःशुल्क उपचार, दवाईयां-सामग्री, आहार, परिवहन की व्यवस्था उपलब्ध कराई जाती है।
- गृह आधारित नवजात शिशु देखभाल जन्म से 28 दिन अत्यंत संवेदनशील समयावधि है। इस अवधि में शिशुओं की मृत्यु की सर्वाधिक संभावना होती है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत संस्थागत प्रसव में 6 तथा घर पर प्रसव होने पर 7 गृहभेंट दी जाती है। जन्म के पश्चात् 1, 3, 7, 14, 21, 24, 28 एवं 42 वें दिन आशा द्वारा गृहभेंट दी जाती है।
- हाईरिस्क शिशु ट्रेकिंग फॉलोअप - शिशु मृत्यु दर में कमी लाने हेतु समुदाय में आशा द्वारा 3, 6, 9 एवं 12 माह की आयु में 2.5 किलो ग्राम से कम जन्म वज़न एवं एस.एन.सी.यू. से डिस्चार्ज किये गये शिशुओं को गृहभेंट दी जाती है। टीकाकरण, स्वच्छता, दस्त में ज़िंक/ओ.आर.एस. का प्रयोग, निमोनिया की पहचान, स्तनपान, पूरक आहार तथा शिशु के विकास में संवाद का महत्व आदि विषयों पर जानकारी साझा की जाती है।

Archna

(डॉ. अर्चना मिश्रा)
उप संचालक, एन.एच.एम.
मध्यप्रदेश

6

माननीय विधायक श्री रामनिवास रावत   क्र.प्रपत्र

विधानसभा अतारांकित प्रश्न क्रमांक 1316 के प्रश्नांश "ग" के उत्तर का परिशिष्ट-3

बच्चो की मृत्यु की जानकारी (वर्ष 2015–16)

क्र0	जिला	0 से 6 वर्ष के बच्चे								6 से 12 वर्ष के बच्चे							
		मृत्यु के कारण								मृत्यु के कारण							
		मीजल्स	डायरिया	मलेरिया	बुखार	कुपोषण	कुपोषण जनित बीमारी	अन्य	कुल	मीजल्स	डायरिया	मलेरिया	बुखार	कुपोषण	कुपोषण जनित बीमारी	अन्य	कुल
1	भिण्ड	0	17	0	57	0	0	596	670	0	1	0	7	0	0	106	114
2	मुरैना	0	2	0	18	0	0	771	791	0	0	0	2	0	0	15	17
3	श्योपुर	0	13	0	49	0	0	414	476	0	0	0	8	0	0	27	35
	योग	0	32	0	124	0	0	1781	1937	0	1	0	17	0	0	148	166

विधानसभा अतारांकित प्रश्न क्रमांक 1316 के प्रश्नांश "ग" के उत्तर का परिशिष्ट–3

बच्चो की मृत्यु की जानकारी (वर्ष 2016–17)

क्र0	जिला	0 से 6 वर्ष के बच्चे								6 से 12 वर्ष के बच्चे							
		मृत्यु के कारण								मृत्यु के कारण							
		मीजल्स	डायरिया	मलेरिया	बुखार	कुपोषण	कुपोषण जनित बीमारी	अन्य	कुल	मीजल्स	डायरिया	मलेरिया	बुखार	कुपोषण	कुपोषण जनित बीमारी	अन्य	कुल
1	भिण्ड	0	15	0	37	0	0	604	656	0	0	0	3	0	0	74	77
2	मुरैना	0	1	0	14	0	0	665	680	0	0	0	2	0	0	31	33
3	श्योपुर	0	17	0	31	0	0	481	529	0	0	0	5	0	0	29	34
	योग	0	33	0	82	0	0	1750	1865	0	0	0	10	0	0	134	144